(*iii*) Nitrophosphate (Suphala)	61%
(*iv*) Methanol	50%

(b) Rs. 20.02 crores. This includes sale of products from other units also amounting to Rs. 3.56 crores.

(c) The working indicated a profit for the year and the gross profit before depreciation and interest was Rs. 5.80 cores and the net profit after allowing for depreciation and interest was Rs. 0.40 crores. These figures are subject to final Audit.

Survey of Aravali Mountains for Salt

3766. SHRI MAHANT DIGVIJAI NATH : Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS AND MINES AND METALS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have started a survey of Aravali Mountains for finding salt in the mountains;

(b) if so, the progress achieved so far;

(c) the places where there are possibilities of finding salt; and

(d) the time by which the work will start in full swing?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND MINES AND METALS (SHRI JAGANATH RAO) : (a) No, Sir.

(b) to (d). Does not arise.

उर्वरक कारखाने की स्थापना के लिये क्षेत्रीय अनुसन्धान प्रयोगशाला, जोरहाट, आसाम का प्रस्ताव

3767. **श्री महाराज सिंह भारती :** क्या **पैट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि क्षेत्रीय अनुसन्धान प्रयोगशाला, जोरहाट, आसाम द्वारा एक उर्वरक कारखाना स्थापित करने का प्रस्ताव सरकार ने इस बात को लेकर अस्वीकार कर दिया है कि आसाम में इसकी मांग कम है ;

(ख) यदि हां, तो आसाम में उत्पादित उर्वरकों को अन्य प्रदेशों में सप्लाई करने में क्या संवैधानिक अथवा वाणिज्यिक कठिनाइयां हैं जबकि सरकार देश के प्रत्येक भाग में आयातित उर्वरक सप्लाई करती है;

(ग) क्या यह भी सच है कि यह प्रयोगशाला सस्ते और मिश्रित उर्वरकों का उत्पादन करने की अनुमति चाहती है; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार अपने निर्णय पर पुनः विचार करेगी ?

पैट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री दा० रा० चव्हाण) : (क) से (घ). दिसम्बर, 1967 में क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, जोरहाट (आसाम) ने आसाम की घाटी में समेकित कोयला उर्वरक उद्योग-समूह स्थापित करने के प्रस्ताव की एक रूप-रेखा भेजी थी । प्रस्ताव की जांच के बाद यह महसूस किया गया कि इस समय ऐसी परियोजना स्थापित करने का कोई पर्याप्त औचित्य नहीं । तथापि, इस मामले पर गहन रूप से जांच करने के लिये, आसाम में कोयले पर आधारित उर्वरक परियोजना स्कीम की एक विस्तृत तकनीकी-आर्थिक व्यवहारिकता रिपोर्ट तैयार करने के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है । आसाम में उत्पादित उर्वरकों को दूसरे क्षेत्रों में सप्लाई करने में कोई कठिनाई नहीं होगी सिवाय इसके कि उत्पादन के एक बड़े भाग को बहुत दूर स्थित स्थानों पर ले जाना पड़ेगा तथा इस तरह के परिवहन की भारी लागत उत्पादों को अप्रतियोगी बना देगी ।